कोटा में 13 किलो डोडा-चूरा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

अवैध मादक पदार्थ को ट्रॉली बैग में छिपाकर ले जा रहे थे

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी थाना इलाके में गश्त व चेकिंग के दौरान रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने इलाके में कार्यवाही करते हुए 13 किलो 690 ग्राम अवैध अफीम डोडा-चूरा सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। मामले में सामने आया कि मादक पदार्थ तस्कर पुलिस से बचने के लिये अवैध मादक पदार्थ को ट्रॉली बैग में छिपाकर सप्लाई के लिये ले जा रहे थे।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा ने मय जाप्ता इलाके में गश्त एवं आकस्मिक चेकिंग के दौरान रंगपुर पुलिया के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों को ट्रॉली बैग लेकर जाते हुए देखा, जो पुलिस टीम को देखकर अपना रास्ता बदलकर जाने लगे। पुलिस टीम ने दोनों को रोका और पूछताछ की संदेह होने पर दोनों को डिटेन कर उनके पास मौजूद ट्रॉली बैग की तलाशी ली गई तो तलाशी के दौरान ट्रॉली बैग में छिपाकर रखा गया 13 किलो 690 ग्राम अवैध अफीम डोडा-चूरा बरामद किया गया। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही करते हुए जिला हनुमानगढ़ निवासी अशोक एवं जिला बूंदी निवासी विशाल गुर्जर को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन भी जब्त किये गये हैं। मामले मे अनुसंधान भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामविलास मीणा को सौंपा गया है। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।



रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने अवैध मादक पदार्थ सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया।

शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये तस्करों में आरोपी अशोक जिला हनुमानगढ़ का एवं आरोपी विशाल गुर्जर जिला बून्दी का निवासी है जो अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के उद्देश्य से बून्दी से अफीम डोडा-चूरा प्राप्त कर उसे ट्रॉली बैग में छिपाकर रेल मार्ग से वाया कोटा होते हुए लेकर जाने की फिराक में थे जो ट्रेन के इन्तजार में आरपीएफ व जीआरपी पुलिस की निगाह से बचने के लिए स्टेशन के बाहर खाली इलाकों में घूम रहे थे। आरोपियों ने पुलिस चेकिंग से बचने के लिए मादक पदार्थ को ट्रॉली बैग में प्लास्टिक के कट्टे में छिपाकर रखा गया था। मादक पदार्थ की खरीद, परिवहन एवं सप्लाई से जुड़े अन्य व्यक्तियों के संबंध में अनुसंधान जारी है।

ऋण वसूली अधिकरण की विशेष लोक अदालत चार दिसम्बर को

जयपुर। बैंक ऋण से जुड़े पुराने विवादों के निस्तारण और ऋणकर्ताओं को राहत दिलाने के लिए ऋण वसूली अधिकरण (डीआरटी) जयपुर में 4 दिसंबर को तीसरी विशेष लोक अदालत आयोजित होगी। इसमें करीब 4 हजार प्रकरण सुनवाई के लिए रखे जाने की तैयारी है। लोक अदालत के माध्यम से लगभग 400 करोड़ रुपए की वसूली होने की संभावना जताई गई है। खास बात यह है कि इस पहल से लंबे समय से बैंक ऋण संबंधी मामलों में उलझे किसानों और अन्य ऋणकर्ताओं को आपसी सहमति से विवाद सुलझाने का अवसर मिलेगा। डीआरटी जयपुर और डीआरटी बार एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत का शुभारंभ ऋण वसूली अपीलीय अधिकरण, दिल्ली के अध्यक्ष न्यायमूर्ति डॉ. सुधीर कुमार जैन करेंगे।

- **तीसरी विशेष लोक अदालत में चार हजार मामलों के निस्तारण की तैयारी**
- **किसानों और अन्य ऋणकर्ताओं को मिलेगी राहत, 400 करोड़ रुपए की वसूली का लक्ष्य**



डीआरटी जयपुर के पीठासीन अधिकारी विमल गुप्ता प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी दी।

डीआरटी जयपुर के पीठासीन अधिकारी विमल गुप्ता ने बताया कि पिछली दो विशेष लोक अदालतों की सफलता और ऋणकर्ताओं की मांग को देखते हुए तीसरी लोक अदालत आयोजित करने का निर्णय किया गया है। विमल गुप्ता ने बताया कि डीआरटी जयपुर में पहली विशेष लोक अदालत 14 नवंबर 2025 को आयोजित हुई थी। वहीं दूसरी विशेष लोक अदालत 8 मई 2026 को हुई थी। दोनों आयोजनों में कुल 750 से अधिक प्रकरणों का समाधान हुआ और बैंकों को करीब 750 करोड़ रुपए की वसूली में सफलता मिली। इस बार इससे बड़े स्तर पर आयोजन की तैयारी की जा रही है।

विशेष लोक अदालत समन्वय समिति के संयोजक अनिल शर्मा ने बैंकों, वित्तीय संस्थानों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों से ऐसे वरिष्ठ अधिकारियों को भेजने की अपील की है, जिन्हें ऋणकर्ताओं को अतिरिक्त रियायत देने और भुगतान के लिए 31 मार्च 2027 तक का समय मंजूर करने का अधिकार हो। उन्होंने बताया कि लोक अदालत के दिन पक्षकारों की सहायता के लिए करीब 100 वॉलंटियर तैनात रहेंगे। जिन मामलों में उसी दिन समझौता नहीं हो पाएगा, उनमें भी बातचीत आगे समाधान का रास्ता तैयार करेगी। डीआरटी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कीर्ति कपूर और महासचिव राजकुमार ने भी अधिक से अधिक मामलों को लोक अदालत में रखने की अपील की है।

भीलवाड़ा में तीन दिन से लापता युवक का शव नहर के किनारे मिला

भीलवाड़ा, (निसं)। गांधी नगर थाना क्षेत्र के मालोला गांव में शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब तीन दिन से लापता 35 वर्षीय युवक का शव गांव के पास ही नहर किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। शव मिलने की सूचना फैलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। परिजनों ने युवक की हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका व्यक्त करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

- **परिजनों ने युवक की हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका जताई**

जानकारी के अनुसार, मालोला निवासी कमल सिंह रावणा राजपूत (35) पुत्र तेजू सिंह बीते 24 नवंबर से संदिग्ध हालात में लापता था। कमल सिंह खेती-बाड़ी और मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। परिजन पिछले तीन दिनों से उसकी लगातार तलाश कर रहे थे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल पा रहा था। शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने मालोला गांव में नहर के पास एक युवक का शव पड़ा देखा। इसकी सूचना तुरंत3 पुलिस और लापता कमल सिंह के परिजनों को दी गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने मृतक की शिनाख्त कमल सिंह के रूप में की। शव को संदिग्ध अवस्था में देख परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिजनों का आरोप है कि कमल सिंह की हत्या की गई है। सूचना मिलते ही गांधी नगर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को महात्मा गांधी चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया है।

भांकरी में वन्यजीव की दस्तक

पावटा, (निसं)। ग्राम भांकरी में इन दिनों वन्यजीव की आवाजाही ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। गांव के श्याम मंदिर के पास वार्ड नंबर 32 में देर रात एक हायना (लकड़बग्घा) दिखाई देने से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। रात के अंधेरे में हायना नजर आने की सूचना से लोगों में हलचल मच गई। वन्यजीव की मौजूदगी को लेकर ग्रामीणों में भय और असुरक्षा की भावना बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, ग्राम भांकरी में श्याम मंदिर के समीप रात के समय हायना दिखाई दिया। वन्यजीव की दस्तक से ग्रामीण सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

प्रधान चुनाव में बाधा डालने पर विधायक अशोक चांदना सहित अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बूंदी, (निसं)। पंचायत समिति नैनवां में प्रधान पद के चुनाव के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ कथित अभद्रता, धक्का-मुक्की और राजकार्य में बाधा डालने के मामले में हिंडोली-नैनवां विधायक अशोक चांदना सहित अन्य लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। मामले में एससी-एसटी एक्ट की धारा 3(2)(वीए) भी लगाई गई है।

- **पंचायत समिति नैनवां में प्रधान पद के चुनाव के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ कथित अभद्रता, धक्का-मुक्की और राजकार्य में बाधा डालने का मामला**
- **आरोप है कि विधायक के साथ आए लोगों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को डराया-धमकाया, उनके साथ अभद्रता की**

पुलिस के अनुसार, करवर थाना प्रभारी सहदेव सिंह पुलिस जाप्ते के साथ प्रधान चुनाव के मद्देनजर चुंगी नाका नैनवां की तरफ पंचायत समिति कार्यालय के सामने देई रोड पर बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करने की ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान विधायक अशोक चांदना अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंचे। आरोप है कि विधायक के साथ आए लोगों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को डराया-धमकाया, उनके साथ अभद्रता और धक्का-मुक्की की। साथ ही जबरन बैरिकेड्स ऊंचे कर अपनी गाड़ी सहित पंचायत समिति परिसर में प्रवेश करने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिस जाप्ते ने उन्हें रोक दिया। घटना का वीडियो भी वायरल होने की जानकारी सामने आई है।

पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज किया है। प्रकरण का अनुसंधान सीआईडी-सीबी, पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा किया जाएगा। पुलिस के अनुसार, विधायक अशोक चांदना के साथ हंसराज गुर्जर निवासी बोरदा, सद्दाम हुसैन निवासी नैनवां, तुलसीराम सांगोदा निवासी देई, आसुतोष नागर निवासी नैनवां, साहिद खान निवासी नैनवां, बलराम उर्फ बाबा गुर्जर निवासी नैनवां तथा 5-6 अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है।

हादसे में बाइक सवार की मौत

अलवर, (निसं)। लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र के मोलिया गांव के पास हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल युवक को पहले लक्ष्मणगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत नाजुक होने पर उसे अलवर जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान विष्णु कुमार सेन (35) पुत्र हरसाय सेन निवासी मोलिया के रूप में हुई है। वह गांव में ही एक निजी संस्था में काम करता था।

जानकारी के अनुसार काम खत्म करने के बाद वह बाइक से अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान गांव के पास एक अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

अलवर की मंडी में प्याज के उचित भाव नहीं मिलने पर किसानों में रोष

अलवर, (निसं)। अलवर की प्याज मंडी में प्याज की फसल के उचित भाव नहीं मिलने से नाराज किसानों ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया। गुस्साए किसानों ने मंडी का गेट बंद कर दिया और मंडी प्रशासन के खिलाफ अपनी नाराजगी जताई। किसानों ने आरोप लगाया कि मंडी में उनकी प्याज की उपज के अच्छे दाम नहीं मिल रहे हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

- **गुस्साए किसानों ने मंडी का गेट बंद कर मंडी प्रशासन के खिलाफ अपनी नाराजगी जताई**
- **किसानों ने नाराजगी जताते हुए प्रशासन से प्याज के उचित भाव दिलाने और समस्याओं का समाधान करने की मांग की**

प्रदर्शन कर रहे किसानों का कहना था कि वे दिन-रात मेहनत कर प्याज की फसल तैयार करते हैं। इसके बाद जब अपनी उपज बेचने मंडी पहुंचते हैं तो उन्हें उम्मीद के मुताबिक भाव नहीं मिलते। ऐसे में लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है। किसानों ने मंडी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी समस्याओं की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

किसानों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब मंडी में फसल के उचित दाम ही नहीं मिलेंगे तो वे अपनी उपज लेकर कहां जाएंगे। उन्होंने प्रशासन से प्याज के उचित भाव दिलाने और किसानों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की।

प्रदर्शन के चलते मंडी में कुछ समय के लिए गेट बंद रहा। किसानों ने चेतावनी दी कि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन तेज किया जा सकता है।

नकबजनी के आरोपी गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। कुंवारिया थाना क्षेत्र के समीपवर्ती कुरज गांव में घर से सोने व चांदी के जेवर चुराने के प्रकरण में पुलिस ने दो जनों को गिरफ्तार किया है। प्रकरण में सबसे रौचक बात यह रही कि पुलिस ने फरियादी को घर पर पहुंचकर बताया था कि उनके घर पर चोरी की घटना हुई है, उसके बाद में घर मालिक को चोरी की घटना की जानकारी हुई थी।

पुलिस ने बताया कि 23 नवंबर को प्रार्थी कुरज निवासी महेश कुमार पिता सत्यनारायण लावटी ने पुलिस थाने में इस आशय की रिपोर्ट दर्ज कराई कि मैं स्वयं बडौदा गुजरात में रहता हूं तथा मेरे माता-पिता वृद्ध है जो कि कुरज गांव में पुस्तैनी मकान में रहते हैं। उन्होंने बताया कि दो दिन पूर्व मेरी मां ने बताया कि अपने घर पर चोरी की घटना हो गयी है। जिस पर में गांव कुरज मेरे माता पिता के पास आया तथा घर में पलंग में रखे गहनों की जांच पडताल कि तो सोने व चांदी के आभूषणों को चोरों ने घर में प्रवेश कर वारदात को अंजाम दिया गया।

कोटा के नए अस्पताल में उपचार के दौरान गर्भवती की मौत

कोटा, (निसं)। मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में शुक्रवार को एक और गर्भवती के मौत का मामला सामने आया है। गर्भवती की मौत के बाद अस्पताल में हंगामा हो गया। वह साढ़े तीन महीने की गर्भवती थी और उसके गर्भ गर्भस्थ शिशु की मौत भी हो गई थी, जिसके बाद उसका इलाज मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में चल रहा था। उसे रक्त भी चढ़ाया गया था। बीच में वह दिखाने के लिए निजी अस्पताल भी चली गई थी। हालांकि उसकी लगातार तबियत बिगड़ी रही और आखिर में उसकी मौत हो गई है। इस घटना के बाद मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में हंगामा हो गया।

- **गर्भवती की मौत के बाद अस्पताल में हंगामा हो गया**

मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष शालिनी गौतम के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे। वहां परिजनों ने डॉक्टर और स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। साथ ही जमकर हंगामा किया है। वहीं मृतक का के शव को भी मोर्चरी में शिफ्ट नहीं करने दिया।

घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे महावीर नगर थाने के सब इंस्पेक्टर घमंडी लाल ने बताया कि नयागांव निवासी 26 वर्षीय मीनाक्षी पत्नी प्रह्लाद की मौत हुई है। परिजनों से समझाइश की जा रही है। उसके शव को फिलहाल मोर्चरी में शिफ्ट नहीं किया जा सका है। मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आशुतोष शर्मा का कहना है कि 24 नवंबर को मेडिसिन में मीनाक्षी को एडमिट किया गया था। उसके गर्भस्थ शिशु की मौत की जानकारी दे दी गई थी। उसको ब्लड कम होने से इंजेक्शन लगाया और रक्त भी चढ़ाया गया। इसके बाद परिजन 25 तारीख को अस्पताल से ले गए थे। वह लामा (लेफ्ट अगेंस्ट मेडिकल एडवाइस) हो गई थी। उसे निजी अस्पताल में दिखाया था जहां से वह 26 नवम्बर को वापस गायनी विभाग डिपार्टमेंट के अधीन भर्ती हुई थी। जहां पर उसे पूरी हाई रिस्क बता दी गई थी और अबॉर्शन (गर्भपात) की जानकारी दी थी। इसके बाद शुक्रवार को दोपहर 3:30 बजे मृत नवजात को अलग किया गया था। बाद में यह कुछ घण्टे बाद कॉलेप्स हो गई है। परिजनों को पूरी हाई रिस्क के संबंध में जानकारी दी थी। वह पूरी तरह से एनीमिक थी और उसका हीमोग्लोबिन 6.9 था।

इस पूरे घटनाक्रम पर मौके पर पहुंची महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष शालिनी गौतम का कहना है कि लापरवाही अस्पतालों में बरती जा रही है। इसीलिए महिलाओं की मौत हो रही है। प्रसूता और गर्भवती ही इसका शिकार हो रही है। यहां तक की इलाज की प्रॉपर सुविधा नहीं है। प्रबंधन भी इसमें लापरवाही बरत रहा है। इस मामले में मांग करते हैं कि जितने भी डॉक्टर इलाज में थे, उन सब पर कार्रवाई की जाए।

महिला पर हमला, अलवर रेफर

अलवर, (निसं)। खैरथल के वार्ड नंबर 43 स्थित हनुमान पहाड़ी रोड पर 52 वर्षीय महिला पर हथौड़ी से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में विमला देवी के सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें खैरथल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद अलवर जिला अस्पताल रेफर किया गया। घटना 26 नवंबर शाम करीब 4:30 बजे की है। वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें एक युवक पीछे से दौड़कर आता है और महिला पर हथौड़ी से हमला करता दिखाई दे रहा है।

महिला के बेटे राम ने खैरथल थाने में दर्ज रिपोर्ट में आरोप लगाया कि लड्डू नामक व्यक्ति ने उनकी मां पर हथौड़ी से ताबड़तोड़ वार किए। पीड़ित परिवार का आरोप है कि करीब एक महीने पहले कचरे को लेकर हुए विवाद के बाद दूसरे पक्ष के सात लोगों ने उनके घर में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ की थी।

मत्स्य उत्सव : हेरिटेज वॉक में अलवर की ऐतिहासिक विरासत दिखी

पारंपरिक लोकनृत्यों और वाद्ययंत्रों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केन्द्र बनीं

अलवर, (निसं)। मत्स्य उत्सव-2026 के तीसरे दिन शुक्रवार को अलवर में ऐतिहासिक विरासत और लोक संस्कृति के रंग देखने को मिले। जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित चार दिवसीय उत्सव के तहत होप सर्कस से मूसी महारानी की छतरी तक हेरिटेज वॉक निकाली गई। वहीं होप सर्कस से सागर जलाशय तक सांस्कृतिक शोभायात्रा का आयोजन हुआ। दोनों आयोजनों में महिलाओं, युवाओं, स्कूली विद्यार्थियों सहित शहर के विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि हेरिटेज वॉक के माध्यम से लोगों को अलवर की ऐतिहासिक धरोहरों, स्थापत्य कला और गौरवशाली इतिहास से रूबरू होने का अवसर मिला। इसका उद्देश्य आमजन को अपनी विरासत से जोड़ने के साथ ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण और पर्यटन के प्रति जागरूक करना था। हेरिटेज वॉक के दौरान कच्छी घोड़ी नृत्य ने विशेष आकर्षण पैदा किया और प्रतिभागियों को मंत्रमुग्ध किया। मत्स्य उत्सव की सांस्कृतिक शोभायात्रा का शुभारंभ जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने नगाड़ा बजाकर किया।



मत्स्य उत्सव के तीसरे दिन जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग की ओर से हेरिटेज वॉक निकाली गई।

शोभायात्रा में मयूर, कालबेलिया, चकरी, सहरिया और गैर नृत्य की प्रस्तुतियों ने लोक संस्कृति की छटा बिखेरी। इसके अलावा भपंग वादन, बम रसिया, पद दंगल, कच्छी घोड़ी, रो बिले और अलगोजा वादन ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं की भागीदारी ने आयोजन की रौनक बढ़ाई। इस दौरान एडीएम द्वितीय बीना महावर, एडीएम शहर अंबालाल मीणा, यूआईटी भूमि अवाप्ति अधिकारी जितेंद्र सिंह नरूका, पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक संजय कुमार सहित अन्य अधिकारी, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में शहरवासी मौजूद रहे।

आज होंगे समापन के कार्यक्रम :-मत्स्य उत्सव के समापन दिवस 28 नवंबर को सुबह 10 बजे कंपनी बाग में फ्लावर शो आयोजित होगा। सुबह 10:30 बजे इसी स्थान पर अलवर पेट शो के तहत डॉग, कैट, बर्ड और एग्जोटिक एनिमल्स की प्रदर्शनी के साथ फोटो प्रदर्शनी भी लगेगी। इसके बाद दोपहर 1 बजे भानगढ़ में लोक कलाकारों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

- **मत्स्य उत्सव की सांस्कृतिक शोभायात्रा का शुभारंभ जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने नगाड़ा बजाकर किया**
- **हेरिटेज वॉक के दौरान कच्छी घोड़ी नृत्य ने विशेष आकर्षण पैदा किया और प्रतिभागियों को मंत्रमुग्ध किया**

तीन साल से फरार शातिर चोर गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। राजनगर थाना पुलिस ने संपत्ति संबंधी अपराधों में फरार चल रहे 15 हजार रुपये के इनामी शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी करीब तीन साल से फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था।

जिला पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल के निर्देश पर राजनगर थानाधिकारी ओंकार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। राजनगर पुलिस, कांटैक्ट मशीन टीम तथा डूंगरपुर जिले के सदर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने तलाश करते हुए आरोपी मनीष मीणा पुत्र शंकर मीणा निवासी दांथली नाका, लिंबेरदार, नेवा तलाई, थाना जावर माइंस, सलूंबर को उसके ससुराल मुतली, जिला डूंगरपुर से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी राजनगर थाने के प्रकरण के तहत वांछित था। न्यायालय द्वारा उसे स्थायी वारंटी घोषित किया जा चुका था। पुलिस के अनुसार आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए दुर्गम पहाड़ियों में अलग-अलग स्थानों पर ठिकाने बदलकर रह रहा था। वह अपनी पहचान भी बदलता रहता था। पुलिस लगातार उसके निवास स्थान पर दबिश दे रही थी, लेकिन शातिराना तरीके से ठिकाने बदलने के कारण वह पकड में नहीं आ रहा था। आखिरकार संयुक्त पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

भीलवाड़ा के गायत्री नगर क्षेत्र में दस साल से पेयजल संकट

भीलवाड़ा, (निसं)। मालोला रोड स्थित गायत्री नगर में विवेकानंद स्कूल के पीछे के इलाके में पेयजल संकट को लेकर लोगों का सब्र टूट गया। हैरान करने वाली बात यह है कि क्षेत्र में पिछले करीब 10 साल से पीने का पानी नहीं आ रहा है, इसके बावजूद जलदाय विभाग की ओर से लोगों को नियमित रूप से पानी के बिल भेजे जा रहे हैं। इसी दोहरी मार से नाराज क्षेत्रवासियों ने शुक्रवार को मटकी फोड़कर प्रदर्शन किया और समस्या का जल्द समाधान न होने पर सड़क खुदाई की चेतावनी दी।

- **जलदाय विभाग की ओर से लोगों को नियमित रूप से पानी के बिल भेजे जा रहे हैं**
- **दोहरी मार से नाराज क्षेत्रवासियों ने मटकी फोड़कर प्रदर्शन किया और समस्या समाधान की मांग की**

प्रदर्शन के दौरान स्थानीय निवासी बद्रीलाल ने विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जब बीते एक दशक से नलों में पानी की एक बूंद भी नहीं आई, तो वे आखिर किस बात का बिल भरें? ग्रामीणों का आरोप है कि दिवाली के आसपास पानी की सप्लाई बहाल करने के प्रयास तो किए गए थे, लेकिन किसी ने पानी का रुख दूसरी तरफ मोड़ दिया। बीते दिन सड़क खुदाई के दौरान पाइपलाइन कटने से सड़क पर पानी बहता रहा, लेकिन लोगों के घरों तक पानी नहीं पहुंच सका।

क्षेत्रवासियों के मुताबिक, गायत्री नगर में स्कूल और सांवरमल सुनार की दुकान के आसपास की इस पेयजल समस्या को लेकर वे करीब 20 बार शिकायत दर्ज करा चुके हैं और जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों को मौके पर बुला चुके हैं, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। फिलहाल प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि क्षेत्र में जल्द से जल्द पेयजल आपूर्ति सुचारू की जाए और बिना पानी दिए भेजे जा रहे बकाया बिलों को माफ किया जाए।